



धर्म ध्यान दूसरों के माध्यम से नहीं होता, उसके लिए स्वयं कर्म करना चाहिये।

Religious meditation is not attained through others, for is one must resolve him self.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

● अंक : 103 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, शनिवार 24 अक्टूबर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

बस्तर दशहरा सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक : राष्ट्रपति मुर्मू

■ राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने बस्तर दशहरा की अनूठी परंपराओं और जनजातीय संस्कृति की सराहना की

जगदलपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी की पावन भूमि जगदलपुर में आयोजित विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा उत्सव में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने बस्तर दशहरा की विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की सराहना करते हुए इसे छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गौरव, सामूहिक आस्था, सामाजिक समरसता और जनजातीय विरासत का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह अनूठा उत्सव विभिन्न

समुदायों को एक सूत्र में बांधने और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं को संरक्षित रखने का उत्कृष्ट उदाहरण है। राष्ट्रपति ने माँ दंतेश्वरी की नमन करते हुए कहा कि बस्तर दशहरा जैसे विश्वप्रसिद्ध उत्सव में शामिल होना उनके लिए विशेष प्रसन्नता का विषय है। इस उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें विभिन्न गोत्रों, समुदायों और समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता रहती है। रथ निर्माण से लेकर रथ खींचने, पूजा-अर्चना और विभिन्न अनुष्ठानों तक प्रत्येक समुदाय अपनी परंपरागत जिम्मेदारी का निर्वहन करता है। यह सामूहिक सहभागिता सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक निरंतरता का असाधारण उदाहरण है।



मुरिया दरबार लोकतांत्रिक परंपराओं का उत्कृष्ट उदाहरण: राष्ट्रपति

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने बस्तर दशहरा के अंतर्गत आयोजित होने वाले मुरिया दरबार की परंपरा को जमीनी

स्तर पर लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस परंपरा में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि एक साथ बैठकर जनसमस्याओं, आवश्यकताओं और सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श

करते हैं। सामूहिक संवाद के माध्यम से निकाले गए समाधान समाज की खुशहाली और आपसी सहयोग का मार्ग प्रशस्त करते हैं। ऐसी परंपराएं भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करती हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों को नई प्रतिष्ठा प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि लगभग दो माह पूर्व राष्ट्रपति भवन में बस्तर के प्रतिनिधिमंडल से उनकी मुलाकात हुई थी। इसमें बस्तर पंडुम के विजेताओं के साथ बस्तर के परगना मांडी और चालकी भी शामिल थे। बस्तर पंडुम जैसे आयोजन जनजातीय युवाओं को अपनी संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

माँ दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर देशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जगदलपुर में बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर विधिविधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने देशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमोन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय भी उपस्थित रहे। माँ दंतेश्वरी के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति ने देश की सुख-शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी की मंदिर क्षेत्र की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का प्रमुख केंद्र है। माँ दंतेश्वरी के प्रति बस्तरवासियों की गहरी श्रद्धा



है और देशभर से श्रद्धालु यहां दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। राष्ट्रपति का माँ दंतेश्वरी मंदिर में दर्शन-पूजन करना बस्तर की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के महत्व को भी रेखांकित करता है।

पीएम मोदी से मिले यूएई के शेख थियाब बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान

■ भारत और यूएई के बीच नियमित उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की गति को और मजबूत मिली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात के प्रेसिडेंट न्यायालय में विकास एवं शहीद नायकों के मामलों के उपाध्यक्ष शेख थियाब बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। यूएई के राष्ट्रपति न्यायालय में विकास एवं शहीद नायकों के मामलों के उपाध्यक्ष महामहिम शेख थियाब बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान



ने कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। शेख थियाब गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय ने उनके दौर का स्वागत करते हुए कहा था कि यह यात्रा भारत और यूएई के बीच नियमित उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की गति को और मजबूत करेगी। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब यूएई के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल

नाहयान ने इसी सप्ताह भारत का दो दिवसीय दौरा किया था। मंगलवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर और शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान ने मुंबई में मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की और व्यापक रणनीतिक एवं आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा की।

अमिताभ बच्चन का बंगला उड़ाने की धमकी

■ दिलजीत दोसांझ को जान से मारने का मेल

मुंबई। अमिताभ बच्चन और पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ को शुक्रवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। मुंबई की मेयर रितु तावड़े को यह धमकी भरा ई-मेल भेजा गया। इसमें अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' को बम से उड़ाने की बात लिखी गई। कहा गया कि 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच कभी भी बंगले को निशाना बनाया जा सकता है। हमला 1984 के 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' का बदला होगा। इसी मेल में गायक दिलजीत दोसांझ को भी आत्मघाती हमले में मारने की धमकी दी गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह मेल तब आया है, जब 5 दिन पहले रविवार को एक्टर टाइगर श्रॉफ पर मुंबई में



फायरिंग की गई। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गेंग ने ली थी। मुंबई मेयर को भेजे गए मेल में खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए हैं। इसमें 1984 के सिख-विरोधी दंगों का भी जिक्र है। मेल में कहा गया कि दिलजीत ने अमिताभ बच्चन के पैर छूए थे इसलिए उस पर हमला किया जाएगा। मेल में लिखा है कि 27 नवंबर को दिलजीत को महालक्ष्मी रेस कोर्स में आत्मघाती हमले में मारना है। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मुंबई पुलिस, पुलिस की डॉग स्कॉड और बम स्कॉड की टीमें बीएमसी मुख्यालय पहुंचीं।

ट्राईफेड द्वारा आज से 2 नवंबर तक रायपुर में 'आदि बाजार 2026' का आयोजन

■ देशभर के लगभग 80 जनजातीय कारीगरों की सहभागिता के साथ लगाए जाएंगे करीब 40 स्टॉल

रायपुर (विश्व परिवार)। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्यरत भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ लिमिटेड (ट्राईफेड) के क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर द्वारा 24 अक्टूबर से 2 नवंबर 2026 तक टाउन हॉल, कलेक्ट्रेट परिसर, घड़ी चौक के पास, रायपुर, छत्तीसगढ़ में एक भव्य राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव आदि बाजार 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जनजातीय



कारीगरों को अपने प्रामाणिक हस्तनिर्मित उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए एक प्रत्यक्ष विपणन मंच प्रदान करते हुए भारत की समृद्ध जनजातीय कला, संस्कृति, पारंपरिक हस्तशिल्प और विविध आजीविका प्रथाओं को बढ़ावा देना है। आदि बाजार 2026 का उद्घाटन समारोह छत्तीसगढ़

सरकार के कृषि, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में प्रस्तावित है। इस अवसर पर रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे तथा छत्तीसगढ़ राज्य लघु वन उपज सहकारी संघ लिमिटेड की प्रबंध निदेशक एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्रीमती संजीता गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। 10 दिवसीय इस प्रदर्शनी सह बिक्री मेले में भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लगभग 80 जनजातीय कारीगरों और शिल्पकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले करीब 40 स्टॉल लगाए जाएंगे।

विश्व स्तन कैंसर जागरूकता माह
के अवसर पर

बाल्को मेडिकल सेंटर के साथ जुड़ें, अपनी साइकिलें और इलेक्ट्रिक गाड़ियाँ (EVs) लेकर आएँ, और जागरूकता फैलाने व समय पर कैंसर की पहचान के लिए प्रेरित करने हेतु इस अभियान में साथ चले।

RIDE FOR 'A' CAUSE
BMC साइक्लोथॉन - 26

शर्म छोड़ो, गांठों पे बोलो
25 अक्टूबर 2026, रविवार, सुबह 6:00 बजे से
९ मरीन ड्राइव, रायपुर

Powered By
MANORAMA INDUSTRIES LIMITED

अपनी 3D मैमोग्राफी जाँच बिल्कुल मुफ्त करवाएँ*
31 दिसंबर 2026 तक मान्य

24 अक्टूबर 2026 को स्तन कैंसर की जाँच हेतु निःशुल्क* पंजीकरण
23 एवं 24 अक्टूबर 2026 को किशुल्क* OPD परामर्श

पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रतिभागियों को उपलब्ध*

टी-शर्ट, पेयजल एवं मार्ग सहायता, नारता

Radio Partner: **94.3 MY FM**

Supported By: **समर्थ, Lotus, DEATHLON, OceanYou, Purity, Bhanu**

किसी भी जानकारी या सहायता के लिए, कृपया 828282 4444 पर कॉल करें

नामांकन संबंधी अपने विवरण अपडेट करें
उनकी सुरक्षा के लिए, जो आपके लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं

आपका नामांकन उनकी सुरक्षा

सभी बैंक जमा खातों और लॉकरों में नामांकन पंजीकृत करें।

ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यमों से नामांकन प्रक्रिया पूरी करें।

नामांकन अपडेट रखें।

आप एक साथ अधिकतम 4 नॉमिनी को शामिल कर सकते हैं। बैंक जमा राशियों के लिए प्रत्येक नॉमिनी की हिस्सेदारी निर्दिष्ट करें।

या अधिकतम 4 नॉमिनी को क्रमिक रूप से शामिल करें। बैंक जमा राशियों और साथ ही सुरक्षित जमा लॉकरों के लिए प्राथमिकता का क्रम निर्दिष्ट करें (पिछले नॉमिनी/यों की मृत्यु होने की स्थिति में)।

आरबीआई कहता है...
जानकार बनिए, सतर्क रहिए!

अधिक जानकारी के लिए,
<https://rbikehtahai.rbi.org.in/nomination-and-settlement> पर जाएं

आधिकारिक वॉट्सएप नं.
99990 41935 / 99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

सूरजपुर पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने माँ बेटा के दोहरे हत्याकांड का किया खुलासा

आरोपी मृतक शिक्षिका के सहेली का पति निकला

आरोपी प्रवेश कुमार को पैसा देने से शिक्षिका की इनकार तो पैर से गला दबा कर मार डाला

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) पिछले 10 दिन पूर्व विश्रामपुर के किशोर नगर ग्राम में माँ बेटे की हत्या का खुलासा करते हुए सूरजपुर पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने प्रेस वार्ता कर मामले का किया खुलासा ।

पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने बताया कि 10 दिन पूर्व ग्राम महाबोरपुर के सरपंच महेश प्रसाद ने थाना जयनगर पुलिस को सूचना दिया कि गांव के एक व्यक्ति ने फ़ोन कर सूचना दिया कि महाबोरपुर कोरयाबारी नर्सरी जंगल के पास कच्ची सड़क के किनारे बने नाली में एक अज्ञात व्यक्ति पड़ा हुआ है। सूचना पर थाना जयनगर पुलिस मौके पर पहुंची जहां एक अज्ञात व्यक्ति मृत हालत में पड़ा मिला। कोई अज्ञात व्यक्ति हत्या कर शव को छुपाने के कोरयाबारी नर्सरी जंगल में फेंक दिया है। सूचना पर जयनगर पुलिस ने मार्ग कायम कर शव पंचनामा कार्यवाही के पश्चात शव का पीएम कराया गया। अविनाश बरेठ से शव की पहचान कराया गया जिसने मृतक की पहचान भांजा सुजल बरेठ के रूप में किया। मृतक के शार्ट पीएम रिपोर्ट में डॉक्टर के द्वारा हत्यात्मक लेख किए जाने एवं मृतक की मृत्यु अज्ञात व्यक्ति सिर एवं छाती में बार का आघात पहुंचाकर हत्या करना पाए जाने पर 11 अक्टूबर 2026 को थाना जयनगर में अपराध क्रमांक 308/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

पिछले 11 अक्टूबर को अविनाश बरेठ निवासी मुक्तारुजा थाना बाराद्धार जिला जाजगीर-चाप्पा में थाना विश्रामपुर में सूचना दिया कि इसकी बहन मृतिका रजनी बरेठ अपने पुत्र सुजल बरेठ के साथ ममता कालोनी केशवनगर में किराये के मकान में रहती थी जो शिक्षिका थी जो 9 अक्टूबर से रजनी को



मोबाईल पर फ़ोन करने पर मोबाईल बंद बता रहा था जिसके बाद थाना विश्रामपुर में आने पर पता चला कि भांजा सुजल बरेठ का शव थाना जयनगर क्षेत्र में रोड़ किराने मिला है इसकी बहन रजनी के किराये का मकान बाहर से ताला लगा है, 11 अक्टूबर को रात करीब 2 बजे पुलिस के साथ बहन के किराये के मकान का ताला को तोड़वाए और घर अंदर गए तो बहन रजनी का शव बाथरूम में पड़ा मिला कोई अज्ञात व्यक्ति के द्वारा रजनी की हत्या कर दिया जाना प्रतीत होता है। मौके पर पुलिस, एम्प्रेसएस व डॉंग स्कार्ड की टीम के द्वारा साक्ष्य संकलन किया गया। सूचना पर मार्ग कायम कर शव पंचनामा के बाद मृतिका के शव को पीएम के लिए भेजा गया। मृतका के शार्ट पीएम रिपोर्ट में डॉक्टर के द्वारा हत्यात्मक लेख किए जाने और अज्ञात व्यक्ति के द्वारा गला दबाकर हत्या करने पाए जाने पर थाना विश्रामपुर में अपराध क्रमांक अपराध क्रमांक 257/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज सरगुजा श्री दीपक कुमार झा (भापुसे) के निर्देशन में डबल मर्डर के आरोपी की पतासाजी कराते हुए मामले का खुलासा के लिए स्वयं पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर विवेचना से जुड़े महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन व एसडीओपी

सूरजपुर अभिषेक पैकरा के मार्गदर्शन में पुलिस की संयुक्त टीम एवं साइबर सेल अम्बिकापुर टीम के द्वारा लगातार विवेचना की गई। दोनों मामले की विवेचना के दौरान शहर के सीसीटीवी फ़ुटेज खंगाला गया जिसमें मृतिका के किराये के मकान ममता कालोनी में आते हुए एक व्यक्ति दिखा है काले कलर का टी-शर्ट और सफेद गमछ ओढ़ा दिखा जो काफी समय तक वहां रुका हुआ था। एक सीसीटीवी फ़ुटेज में एक व्यक्ति कार को धुलवाने के लिए विश्रामपुर स्थित कार वासिंग सेंटर पर पहुंचा था जो मृतिका के घर गली में काला टी शर्ट और सफेद गमछ से मिलता जुलता नजर आया। इसके बाद शहर के अन्य सीसीटीवी फ़ुटेज को खंगाला गया जिसमें कार का नंबर सीजी 15 ईजी 7101 का होना पता चला जिसके बाद कार के मालिक के पते पर रेंड कार्रवाई करने पर सतिश्व प्रवेश कुमार मिला जिसने बारोकी से पृष्ठताछ करने पर रजनी बरेठ व सुजल बरेठ की हत्या करना स्वीकार किया।

पृष्ठताछ पर उसने बताया कि इसकी पत्नी और रजनी बरेठ दोनों एक ही स्कूल में शिक्षिका है और जान-पहचान होने के कारण उसे घर आना-जाना था। आरोपी मोटर्स-पाटर्स व्यवसाय के लिए 20 लाख रुपये का लोन लिया था और उसे पैसे की जरूरत थी, आरोपी को पहले से पता था कि रजनी 19 लाख रुपये का लोन लेने वाली है और पैसा उसके खाते में आने वाला है।

आरोपी 9 अक्टूबर के दोपहर को अपने वाहन को धुलवाने विश्रामपुर स्थित वॉसिंग सेंटर गया और कार को अंदर बाहर धोने की बात बोलकर मृतिका के घर पैदल गया। घर में सुजल था जिससे मोबाईल चार्जर मांगा वह बोला कि नहीं है जिसके बाद वह घर से चला जाता है और दोबारा घर गया और वहां काफी देर तक रुका रहा उस वक्त सुजल घर पर था और तभी रजनी ड्यूटी से आई, शाम को सुजल टयूशन के लिए घर से चला जाता है इसके बाद घर में रजनी से पैसे की बात कर पैसा मांगने लगा जो रजनी देने से मना कर दी जिस कारण पैसे की लालच में आकर उसके साथ झुम-झुटकी किया और स्टील के पानी बॉटल से सिर पर मारा, रजनी मेन गेट तरफ़ भागने लगी जिसे खींचकर बाथरूम की ओर धकेलकर ले गया तब रजनी सिर पर शैम्पू की बोटल मारी तब यह पैर से रजनी के गले को दबाकर करीब 10 मिनट तक रखा और उसकी हत्या कर दिया तथा बिखरे सामान को व्यवस्थित कर घर से रजनी का स्टील को लेकर निकला। सुजल को पता था कि घर पर उसकी माँ और आरोपी है जो दूसरों को न बता दे इसलिए सुजल को मारने की योजना बनाया।

इसके बाद मुंह में सफेद गमछ बांधकर हेलमेट पहनकर रजनी की स्कूटी लेकर निकला और नागरा पेट्रोल पंप के अगे स्कूटी खड़ी करके वहां झाड़ियों में हेलमेट फेंक वापस वॉसिंग वाले के पास आया और कार लेकर रजनी के घर जाने वाले तिराहे पर गया वहां पर करीब 1 घंटे इंतजार करके वापस रजनी के घर आया। रात्रि करीब 9 बजे सुजल घर आया जिसे बताया कि तेरी मम्मी मेरे घर पर है।

इसके बाद दोनों कार से रात्रि में कुम्दा जाकर और घुमते हुए अम्बिकापुर ले जाकर मैगी खिलाया और राई जंगल में बाथरूम करने के बहाने कार से उतरा और गेट खेलकर सुजल के गले को स्टील से कसा और 2-3 मुक्का मारा तब सुजल वहां से भागने लगा और रोड़ किनारे में सीमेंट खम्भे का टुकड़े से सिर व सीना में मारकर हत्या कर दिया और शव को कार में रखकर लाश को ठिकाने लगाने कई जगह तलाश किया और कालीघाट गया सुजल के शव एवं चुन्नी को वहां फेंक दिया।

घटना के बाद सुजल का 2 मोबाईल को

अपने घर के किचन के दराज एवं रजनी के 1 मोबाईल को अम्बिकापुर स्थित अपने ससुराल घर में छुपा दिया। पुलिस टीम के द्वारा सुजल के 2 मोबाईल को आरोपी के घर विश्रामपुर से बरामद किया। इसके बाद पुलिस टीम आरोपी के ससुराल अम्बिकापुर मोबाईल बरामद करने पहुंची जहां मृतिका की 1 मोबाईल सीम सहित बरामद करने के दौरान रजनी का आधार कार्ड, पेन कार्ड, चेक, डाईविंग लायसेंस, वोटर आईडी कार्ड, एटीएम कार्ड, सोने चांदी के आभूषण भी बरामद किया गया।

आरोपी ने घटना में उपयोग आने वाली कार को वासिंग सेंटर पर कराया साफ़-आरोपी प्रवेश ने घटना में प्रयुक्त कार को जयनगर स्थित कार वासिंग सेंटर में धुलवाया और कार की मैट जिसमें खून लगा था उसे जला दिया। आरोपी के निशानदेही पर ग्राम राई जंगल से मृतक का 1 पैर का चप्पल, घटना में प्रयुक्त ग्राण्ड विटारा कार, घटना में प्रयुक्त सीमेंट खम्भा का टुकड़ा व मृतिका के सिर में प्रहार करने वाले स्टील का पानी बॉटल जप्त कर आरोपी परवेश उर्फ़ प्रवेश कुमार पिता गुरदित मल, उम्र 36 वर्ष निवासी राजीव कालोनी, कैथलरोड़, करनाथ हरियाणा वर्तमान पता चोपड़ा कालोनी विश्रामपुर को गिरफ्तार किया गया है।

माँ बेटा की हत्या की गुत्थी सुलझाने वाले पुलिस कर्मों होंगे पुरस्कृत- सूरजपुर पुलिस कप्तान योगेश पटेल ने इस पूरे प्रकरण में अहम भूमिका निभाने वाले थाना प्रभारी विश्रामपुर विकास देशमुख, थाना प्रभारी जयनगर अमित गुप्ता, थाना प्रभारी झिलमिली सरप्राज फ़िदौसी, एसआई पीयूष चन्द्राकर, पीएसआई पवन झा, कपिल, रंजना, एसएसआई अरूण गुप्ता, राकेश यादव, चौकी प्रभारी करंजी विशाल मिश्रा, प्रधान आरक्षक राजेन्द्र एक्का, रविवंशकर पाण्डेय, आनंद सिंह, जयप्रकाश तिवारी, आरक्षक अखिलेश पाण्डेय, अजय प्रताप राव, राजीव गवेल, विकास मिश्रा, रौशन सिंह, युवराज यादव व साइबर सेल अम्बिकापुर के एसएसआई अजित मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, आरक्षक मनोष सिंह जी की अहम भूमिका थी जिसे पुलिस कप्तान योगेश पटेल सम्मानित करने की बात कही।

उचित मूल्य की राशन दुकान के सुचारु संचालन हेतु वैकल्पिक एवं व्यवस्थित भवन कराए उपलब्ध अनुविभागीय अधिकारी सूरजपुर को महिला पार्षद उर्मिला साहू ने पत्र लिख की मांग

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) नगर पंचायत शिवनंदनपुर की महिला पार्षद उर्मिला अमर साहू ने एसडीएम सूरजपुर को पत्र लिखकर उल्लेख किया है कि नगर पंचायत शिवनंदनपुर अंतर्गत उचित मूल्य की दुकान क्रमांक 372009108 एवं 392009001 का संचालन महिला समूह, शिवनंदनपुर द्वारा किया जा रहा है। उक्त उचित मूल्य की दुकान विगत कई वर्षों से नगर पंचायत परिसर में स्थित उजाला महिला ग्राम संगठन सिलाई सेंटर भवन के एक कक्ष तथा पंचायत के एक अतिरिक्त भवन में संचालित होती आ रही है।पूर्व में उक्त व्यवस्था के अंतर्गत राशन दुकान का संचालन सुचारु रूप से होता रहा है तथा क्षेत्र के गरीब, जरूरतमंद एवं अन्य पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार छाद्यान्न का वितरण किया जाता रहा है। किंतु वर्तमान में नगर पंचायत के गठन के पश्चात नगर पंचायत द्वारा उक्त भवन / स्थान को खाली करने हेतु बार-बार नोटिस दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में उचित मूल्य की दुकान के संचालन में कठिनाई उत्पन्न होने तथा क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को समय पर राशन वितरण प्रभावित होने की संभावना है। पत्र में आगे उल्लेख है कि राशन दुकान का संचालन लंबे समय से इसी परिसर में किया जा रहा है, इसलिए अचानक स्थान खाली करने की स्थिति में राशन दुकान के संचालन हेतु उपयुक्त एवं व्यवस्थित वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है। पत्र में आग्रह किया है कि उक्त समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर पंचायत शिवनंदनपुर को आवश्यक निर्देश प्रदान कर उचित मूल्य की राशन दुकान क्रमांक 372009108 एवं 392009001 के सुचारु संचालन हेतु नगर पंचायत द्वारा एक उपयुक्त, सुरक्षित एवं व्यवस्थित भवन/स्थान उपलब्ध कराया जाए, ताकि क्षेत्र के गरीब, जरूरतमंद एवं समस्त पात्र हितग्राहियों को समय पर एवं निवांघ रूप से राशन प्राप्त हो सके।

भगवान श्री राम का गुण को हृदय में उतारिए तभी रावण का करे दहन - पंडित पीयूष तिवारी

प्रतिवर्ष विजयदशमी पर अपने अन्दर की एक बुराई को करें त्याग

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- भगवान श्री राम एक मर्यादा पुरुषोत्तम थे आज्ञाकारी पुत्र थे पिता के एक आदेश पर अपना सिंहसन को ठुकरा कर वन जाने का निर्णय लिया। मर्यादित जीवन यापन करने वाला भारतवर्ष का आदर्श भगवान श्री राम जैसा बनने वाला व्यक्ति ही लंका पति शिव भक्त ब्राह्मण कुमार रावण का दहन करने का अधिकार रखता है अन्यथा किसी को ब्राह्मण कुमार रावण को दहन करने का हक नहीं है।

उक्त धार्मिक , तार्किक बातें एवं मार्मिक विचार ब्राह्मण कुमार पीयूष तिवारी ने प्रतिवर्ष दशानन रावण का पुतला दहन परंपरा पर कटाक्ष करते हुए कही। इन्होंने अपनी बात समझाते हुए कहा कि रावण कभी मर नहीं सकता हजारों वर्ष से लोग रावण का दहन कर रहे हैं परंतु वह प्रति वर्ष जीवित हो उठता



है किसी में दम नहीं है की रावण को दहन कर सके रावण के अस्तित्व मिटा सके और रावण को अपने हृदय से निकल सके। जब-जब राम की बात होगी तब तब रावण एक मुख्य नायक के रूप में सामने आयेगा। पीयूष तिवारी ने आगे कहा कि रावण के पुतला का जब लोग दहन करते हैं तो मुखे बहुत पीड़ा होती है कि तीनों लोकों का विजेता, सभी वेदों का ज्ञाता, महा पराक्रमी रावण के पुतला का दहन करते है उस समय दहन करने वाले को शर्म क्यों नहीं आती। ऐसे लोग राम को तो छोड़िए रावण के आचरण के

समक्ष भी खड़े नहीं हो सकते हैं। रावण में कुछ बुराई हो सकती है परंतु अच्छाई भी तो थी। लंका की सीमाएं असुरक्षित नहीं नहीं थी हर तरह से सुरक्षित थी अपने राजा रावण के आदेश को लंका के प्रत्येक नागरिक शिरोधार्य कर पालन करते थे जबकि राम राज्य में एक धोबी ने माता सीता पर उंगली उठ दी यही नहीं राजा दशरथ के पुत्र लक्ष्मण भी अपने बड़े भाई भारत पर शंका जाहिर किया कि भारत सेना ले कर हम लोगों पर आक्रमण करने आ रहा है परंतु लंका के नागरिक रावण के सभी पुत्रों पर कभी अपने पिता के ऊपर शंका जाहिर नहीं की। हम इतना कहना चाहते हैं कि रावण दहन कार्यक्रम में लाखों रुपए फूँक दिया जाना यह गलत है। रावण में बुराइयां थी परंतु जानने वाले समझने वाले बताएं कि किसी की बहन का कोई अपमान करें तो वह बदला तो लेगा ही जो हर भाई का धर्म है कि वह अपने बहन के अपमान का बदला ले यदि ऐसा भाई नहीं कर सकता तो वह सच्चे मन से भाई का कहलाने का हक नहीं रखता

है।रावण के पुतला को दहन करें परंतु पहले राम बने माता-पिता के प्रति समर्पित बने समाज के लिए त्यागी बने राम जैसा पुत्र बने तब जाकर प्रखर विद्वान लंका पति रावण के पुतले का दहन करें। पंडित पीयूष तिवारी में आगे कहा कि यदि हजारों वर्ष से चली आ रही परंपरा को जीवित रखना ही है तो अपने अंदर की बुराई रूपी रावण को दहन करें। प्रतिवर्ष विजयदशमी पर अपनी बुराइयों पर विजय पाए तब ही विजयदशमी मनाईए। यही नहीं पंडित पीयूष तिवारी रावण दहन के दौरान भावुक हो गए हमारे देश में महान व्यक्तियों का भी इस तरह का दुर्दशा करना समातन धर्म के खिलाफ है। पीयूष तिवारी ने कहा कि प्रतिवर्ष एक बुराई की व्यक्ति यदि त्यागा कर सकता है तो वह महान बन सकता है इस पर विचार करने की जरूरत है तभी विजयदशमी का यथार्थ होगा अन्यथा हर वर्ष रावण पुतला दहन कर अपने मन में बुराई रूपी गोबर धरे रहे और महान बनने का ढोंग रचते रहे।

संक्षिप्त समाचार

न्युवोको विस्टास ने वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित किए

मुंबई: न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की प्रमुख निर्माण सामग्री कंपनियों में से एक ने 30 सितंबर, 2026 को समाप्त तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित किए। न्युवोको ने इस साल सीमेंट कारोबार में दस साल पूरे कर लिए हैं। वर्ष 2014 में निम्बोल में 2.3 एमएमटीपीए सीमेंट उत्पादन क्षमता वाली सिंगल मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट से शुरू हुआ सफ़र आज एक विविधीकृत निर्माण सामग्री कंपनी के रूप में विकसित हो चुका है। कंपनी अब सीमेंट, रेडी-मिक्स कंक्रीट और आधुनिक निर्माण सामग्री के क्षेत्रों में कारोबार कर रही है। कंपनी ने बाजार के विभिन्न उतार-चढ़ाव के बीच अपनी विकास यात्रा को बनाए रखा है। अब वह वित्त वर्ष 2028 तक सीमेंट उत्पादन क्षमता 35 एमएमटीपीए तक पहुंचाने की मजबूत स्थिति में है। यह पिछले एक दशक में लगभग 15 गुना वृद्धि होगी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में 4.7 एमएमटी सीमेंट बिक्री मात्रा हासिल की, जो पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 9 प्रतिशत अधिक है। दूसरी तिमाही में समेकित राजस्व सालाना आधार पर 13.5 प्रतिशत बढ़कर 2,790 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने इस अवधि में एंबिटिडा में भी 11 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की, जो बढ़कर 411 करोड़ रुपए पहुंच गया। स्थिरता और लगात दक्षता की दिशा में कंपनी ने राजस्थान में 46.4 मेगावाट की पवन-सौर हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए क्लीनमैक्स के साथ साझेदारी की है। परियोजना के चालू होने के बाद इससे हर साल लगभग 10 करोड़ यूनिट रिन्यूएबल बिजली पैदा होने की उम्मीद है। इससे परंपरिक बिजली स्रोतों पर निर्भरता कम होगी और लंबे समय तक बिजली की लागत को स्थिर बनाए रखने में मदद मिलेगी। इससे कंपनी के एनर्जी मिक्स को मजबूती मिलेगी और राजस्थान में उसके परिचालन की लॉन्गटर्म लागत दक्षता में सुधार होगा। कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए जयकुमार कृष्णास्वामी, प्रबंध निदेशक, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने कहा कि वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों के बावजूद हमारी मजबूत कार्यन्वयन क्षमता का प्रमाण रही। हमारे प्रमुख बाजारों में तेज और अनियमित बारिश, वैश्विक एवं क्षेत्रीय लॉजिस्टिक्स और स्पलाई चेन में व्यवधान तथा जारी भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण बढ़ी हुई इनपुट लागत के बावजूद कंपनी ने राजस्व, एंबिटिडा और कर के बाद मुनाफे (पीएटी) में सालाना आधार पर मजबूत वृद्धि दर्ज की।

पिंक अक्टूबर अभियान के साथ मैनकाइंड फार्मा ने ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर दिया जोर

रायपुर : ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर मैनकाइंड फ़र्मा ने अपने ‘पिंक अक्टूबर’ अभियान के जरिए ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता, समय रहते इसकी पहचान और सही समय पर इलाज के महत्व पर जोर दिया। यह पहल कंपनी के **#1MillionLives** अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता को अधिक-से-अधिक लोगों तक पहुंचाना और उनको अपने स्वास्थ्य के प्रति समय रहते जागरूक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करना है। ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता लोगों को समय पर डॉक्टर से सलाह लेने और इस बीमारी को समझने में मदद करती है। इसके संभावित संकेतों में स्तन में गांठ या असामान्य मोटापन, स्तन के आकार या बनावट में बदलाव, लूचा या निप्पल में बदलाव और निप्पल से असामान्य स्राव (डिस्चार्ज) शामिल हो सकते हैं।हालांकि, ये बदलाव कैंसर के ही संकेत हों ऐसा नहीं है, लेकिन ऐसी स्थिति में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। व्यक्ति की उम्र और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम को ध्यान में रखते हुए डॉक्टर की सलाह के अनुसार क्लिनिकल जांच और मैमोग्राफी से ब्रेस्ट कैंसर की शुरुआती पहचान में मदद मिल सकती है। कैंसर के प्रति जागरूकता केवल स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और समय पर जरूरी कदम उठाने की आदत भी उसका हिस्सा होना चाहिए। **#1MillionLives** पहल के जरिए हमारा उद्देश्य सही स्वास्थ्य जानकारी को अधिक-से-अधिक लोगों तक पहुंचाना और उन्हें अपने स्वास्थ्य से जुड़े फैसले समय रहते और सोच-समझकर लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। पिंक अक्टूबर इसी प्रतिबद्धता की आगे बढ़ाता है। इसके माध्यम से हम स्तनों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, कैंसर की शुरुआती पहचान और समय पर डॉक्टर से सलाह लेने के महत्व पर जोर दे रहे हैं। हमारा मानना है कि लगातार चलाए जाने वाले जागरूकता अभियानों और परिवारों को अपने स्वास्थ्य के बारे में समय रहते सही फैसले लेने में सक्षम बना सकते हैं, मैनकाइंड फ़र्मा के सीनियर प्रेसिडेंट आतिश मजूमदार ने कहा।

माँ दंतेश्वरी एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का आत्मीय स्वागत



राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सहित उप मुख्यमंत्री एवं जनप्रतिनिधियों ने किया स्वागत बस्तर दशहरा के

ऐतिहासिक मुरिया दरबार कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची राष्ट्रपति

जगदलपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के बस्तर आगमन पर जगदलपुर स्थित माँ दंतेश्वरी एयरपोर्ट में उनका आत्मीय एवं



गरिमामय स्वागत किया गया। राष्ट्रपति के आगमन पर राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, बस्तर सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष श्री महेश

कश्यप, सांसद कांकेर श्री भोजराज नाग, महापौर श्री संजय पांडेय सहित वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा महोत्सव के महत्वपूर्ण आयोजन मुरिया दरबार में शामिल होने



जगदलपुर पहुंचीं। राष्ट्रपति का यह प्रवास बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत के लिए विशेष महत्व रखता है। उल्लेखनीय है कि बस्तर दशहरा अपनी अनूठी परंपराओं, जनजातीय आस्था और सांस्कृतिक विशिष्टता के कारण देश-दुनिया में

प्रसिद्ध है। मुरिया दरबार इस महोत्सव की महत्वपूर्ण परंपरा है, जो ऐतिहासिक रूप से जनसंवाद और सामुदायिक सहभागिता का प्रतीक रहा है। राष्ट्रपति की इस आयोजन में सहभागिता से बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान और गौरव प्राप्त हुआ है।

धर्म की क्रियाओं से अधिक धर्म के मर्म पर जोर दें : राष्ट्रसंत मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज जी

गुणायतन (विश्व परिवार)। राष्ट्रसंत मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने शंका समाधान कार्यक्रम में देश-विदेश से आए श्रावकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए कहा कि धर्म केवल पूजा-पाठ और धार्मिक क्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र्य ही धर्म का वास्तविक स्वरूप है। जीवन में अधर्म से बचना ही सबसे बड़ा धर्म है। तकनीक का सदुपयोग, संकल्प का पालन, आत्मानुशासन और दूसरों के दृष्टिकोण को समझना जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। गुणायतन के राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' ने बताया प्रातः 7-30 बजे से अभिषेक एवं शांतिधारा तथा सांयकाल 5-45 बजे से शंका समाधान कार्यक्रम गुणायतन परिसर में हो रहा है। शंका समाधान कार्यक्रम में मुनि श्री ने उपस्थित जनसमुदाय की शंकाओं का समाधान करते हुवे धर्म के वास्तविक स्वरूप को समझाते हुए कहा कि धर्म वहां भी होता है, जहां मंदिर, प्रवचन या गुरु की प्रत्यक्ष उपस्थिति नहीं



होती, उन्होंने कहा कि धर्म व्यक्ति के भीतर होता है। उनको परिस्थितिवश धार्मिक क्रियाएं नहीं कर पाने पर निराश होने की आवश्यकता नहीं, लेकिन अपने आचरण को अधर्म से बचना जरूरी है। गुरु के प्रत्यक्ष सान्निध्य में पहुंचना संभव न हो तो वर्चुअल माध्यम से प्रवचन सुनकर भी लाभ लिया जा सकता है। तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। धर्म की शुरुआत को लेकर पूछे गए प्रश्न पर महाराज श्री ने कहा कि कोरी स्टेट पर अक्षर अधिक

स्पष्ट उभरते हैं। इसलिए पहले धार्मिक संस्कार नहीं मिलने पर निराश होने के बजाय श्रद्धा के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने प्रतिदिन णमोकार महामंत्र का जाप करने और कम से कम 15 मिनट गुरु के प्रवचन सुनने की सलाह दी। संकल्प के महत्व को समझाते हुए उन्होंने बैंक की फिक्स्ड डिपॉजिट का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि संकल्प लेना एफ़्डी करने के समान है, जिससे अतिरिक्त लाभ मिलता है, जबकि बिना संकल्प के नियमों का पालन करना चालू खाते में धन रखने जैसा

सम्यग् दर्शन मोक्ष मार्ग की है आधारशिला : मुनि संवेगरत्न सागर जी

- नवपद ओली के छठवें दिन सम्यग् दर्शन पद की आराधना, 80 श्रावकों का आयम्बिल तप जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में सर्वमंगलमय वर्षावास के तहत जारी नव दिवसीय शाश्वत नवपद ओली की आराधना के क्रम में छठवें दिन शुक्रवार को सम्यग् दर्शन पद की आराधना की गई। धर्मसभा में मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. ने सम्यग् दर्शन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसके बिना ज्ञान भी मिथ्या कहलाता है और धार्मिक क्रियाएं सार्थक नहीं होतीं। सम्यग् दर्शन मोक्ष मार्ग की आधारशिला है। मुनिश्री ने कहा कि सम्यग् दर्शन का अर्थ विचारों का शुद्धिकरण,अध्यवसायों का निर्मलीकरण और भावनाओं का उर्ध्विकरण है। इससे संसार के प्रति मोह कम होता है और संयम, त्याग व धर्म की भावना विकसित होती है।



सम्यग् दर्शन की प्राप्ति के बाद ही मोक्ष मार्ग प्रशस्त होता है। जिस प्रकार नौव के बिना भवन का टिकना संभव नहीं है, उसी प्रकार सम्यग् दर्शन के बिना आध्यात्मिक प्रगति नहीं हो सकती।

धर्म तत्व की आराधना शुरू

नवपद ओली के पहले पांच दिनों में देव और गुरु तत्व अर्थात अरिहंत, सिद्ध, आचार्य,उपाध्याय एवं साधु पद की आराधना की गई। छठवें दिन से धर्म तत्व की आराधना शुरू हुई। धर्म तत्व का पहला पद सम्यग् दर्शन है। मुनिश्री ने श्रद्धालुओं को देव, गुरु और धर्म के प्रति सम्यक श्रद्धा बनाए रखने का संदेश दिया।

व्यवस्था बदली, वक्त बदला, लेकिन 84 गांवों और राजपरिवार का रिश्ता आज भी कायम

- राजमाता का आशीर्वाद लेकर निकले राजा खड्ग राज कुमार सिंह, पूर्वओं द्वारा स्थापित मंदिरों में किए दर्शन; रावण दहन के बाद सजा पारंपरिक राजदरबार, सैकड़ों लोगों ने की भेंट

सहसपुर लोहारा (विश्व परिवार)। समय बदला, व्यवस्थाएं बदलीं, पीढ़ियां बदलीं, लेकिन सहसपुर लोहारा राजपरिवार और क्षेत्र के 84 गांवों के बीच पीढ़ियों से चला आ रहा आत्मीय रिश्ता आज भी उसी मजबूती से कायम है। विजयादशमी के अवसर पर आयोजित पारंपरिक दशहरा उत्सव में एक बार फिर इस ऐतिहासिक रिश्ते और क्षेत्र को समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जीवंत झलक देखने को मिली। दशहरा की वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए राजा खड्ग राज कुमार सिंह ने सर्वप्रथम राजमाता का आशीर्वाद लिया और इसके बाद राजमहल से नगर भ्रमण के लिए प्रस्थान किया। रास्ते में क्षेत्रवासियों से भेंट-



मुलाकात हुई और लोगों ने आत्मीयता के साथ उनका स्वागत किया। नगर भ्रमण के दौरान राजा ने अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित श्रीराम मंदिर, लक्ष्मी मंदिर, राधा-कृष्ण मंदिर और शीतला माता मंदिर में दर्शन-पूजन किया तथा क्षेत्र के 84 गांवों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की निर्वहन करते हुए राजा खड्ग राज कुमार सिंह ने सर्वप्रथम राजमाता का आशीर्वाद लिया और इसके बाद राजमहल से नगर भ्रमण के लिए प्रस्थान किया। रास्ते में क्षेत्रवासियों से भेंट-

रावण दहन के बाद राजा राजपरिवार की कुलदेवी मां काली कंकालिन दाई के दरबार पहुंचे और दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात श्रीराम मंदिर में आरती कर धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण किए गए।

राजमहल वापसी पर दशहरा की एक और भावपूर्ण परंपरा निभाई गई। राजमाता एवं राजपरिवार के सदस्यों ने राजा की आरती उतारकर उनका स्वागत किया। इसके बाद राजमहल में वर्षों पुरानी परंपरा के अनुरूप राजदरबार सजा। क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे सैकड़ों लोगों ने राजा से भेंट कर विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। राजा ने भी लोगों से आत्मीयता के साथ मुलाकात की और परंपरा के अनुसार प्रत्येक आंगतुक को पान भेंट किया। राजमहल में सजे इस दरबार में न कोई दूरी दिखाई दी और न ही औपचारिकता। बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी उस रिश्ते की गवाही देती रही, जिसकी नींव पूर्वजों ने पीढ़ियों पहले रखी थी।

मनोहर गौशाला में फल-सब्जियों से सजाया मंगल कलश, गौमाता को कराया भोजन

- खैरागढ़ में चमन डाकलिया ने गौसेवा कर माना जन्मदिन

रायपुर (विश्व परिवार)। खैरागढ़ स्थित मनोहर गौशाला में गौसेवक चमन डाकलिया ने अपना जन्मदिन गौसेवा के साथ मनाया। इस अवसर पर फलों और सब्जियों से आकर्षक मंगल कलश की आकृति सजाई गई। इसके बाद सजावट में इस्तेमाल किए गए फल और सब्जियां गौमाता को अर्पित की गई। डाकलिया ने स्वयं अपने हाथों से गायों को भोजन कराया और गौशाला में उनके बीच समय बिताया। इस आयोजन के माध्यम से उन्होंने युवा पीढ़ी को जन्मदिन जैसे विशेष अवसरों पर सेवा, करुणा और परोपकार के कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने



जन्मदिन को केवल व्यक्तित्व के उज्ज्वल तक सीमित रखने के बजाय गौसेवा और जीवदया से जोड़ा। मनोहर गौशाला के ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन ने बताया कि गौशाला में फलों और सब्जियों से तैयार मंगल कलश की सजावट आकर्षण का केंद्र रही। मनोहर गौशाला परिवार ने चमन डाकलिया की इस पहल की सराहना की।

शतकोत्तर रजन महोत्सव का भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

- तीर्थ रक्षा के लिए समाज जनों को आगे बढ़कर काम करना होगा : आचार्य सुरत सागर जी महाराज

अशोकनगर (विश्व परिवार)। भारत वर्षिय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी एक सौ पच्चीस वी जयंती का शुभारंभ आचार्य सुरतसागर महाराज जी संसंघ व पूज्य स्वस्ती रवीन्द्रकीर्ती जी महाराज आदि के सान्निध्य में हजारो लोगो के मध्य सम्पूर्ण भारत वर्षिय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र समिती का शतकोत्तर रजत वर्ष की शानदार आगाज गजेन्द्र कुमार गिरीश कुमार गिरी परिवार इन्दौर राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बू कुमार महामंत्री सन्तोष पेडरकर चेयरमैन प्रदीप जैन पी एन सी दारा ध्वजारोहण किया गया इस दौरान



तीर्थों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु समस्त समाज ने संकल्प लिया। इस दौरान इन्दौर में विराजमान परम पूज्य तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज का सन्देश का प्रसारण स्क्रीन पर किया गया जिसमें परम पूज्य मुनिश्री ने कहा कि आज तीर्थ क्षेत्र पर काम करने की आवश्यकता है एक क्षेत्र को लक्ष्य बनाकर हम काम करेंगे तो एक क्षेत्र विकसित होता चला जायेगा भारत वर्षीय तीर्थ क्षेत्र कमेटी अनेक अंचलों में बढी है

प्रत्येक अंचल की कमेटी एक वर्ष में एक तीर्थ क्षेत्र पर अपनी पूरी ताकत लागा कर उसे अच्छी तरह से विकसित करें तो पांच वर्षों में पांच के हिसाब से पचास तीर्थ का उप उद्धार कर सकेंगे आपको लक्ष्य का निधारण कर कार्यक्रम वनना होगा कार्यक्रम के चेयरमैन श्री जवाहरलाल जैन ने दान की प्रेरणा को देते हुए, हर मन्दिर भे तीर्थ रक्षा की गुलक रखने व एक एक लाख के अधिक अधिक से तीर्थ चक्रवर्ती बनने का आह्वान किया।

ध्वजारोहण के साथ भव्य भक्ताम्बर महामहोत्सव का शुभारंभ

- आचार्य श्री विनम्रसागरजी महाराज के सान्निध्य में मित्रनगर गार्डन में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, घटयात्रा के साथ शुरू हुआ सात दिवसीय धार्मिक आयोजन

छत्रपति संभाजीनगर (विश्व परिवार)। शहर के मित्रनगर गार्डन में शुक्रवार, 23 अक्टूबर को परम पूज्य उच्चारणाचार्य, भक्ताम्बर महोदधि आचार्य भगवंत श्री विनम्रसागरजी महाराज के पावन सान्निध्य में ऐतिहासिक बृहद श्री भक्ताम्बर महामहोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। ध्वजारोहण, भव्य घटयात्रा और धार्मिक विधि-विधानों के साथ शुरू हुए इस सात दिवसीय महामहोत्सव से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। 29 अक्टूबर तक चलने वाले इस आयोजन



में श्री भक्ताम्बर स्तोत्र का शुद्ध उच्चारण, प्रत्येक बीजाक्षर पर अर्थ समर्पण और भव्य भक्ताम्बर विधान सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भगवान श्री आदिनाथ स्वामी की स्तुति को समर्पित इस महामहोत्सव के लिए मित्रनगर गार्डन में भव्य मंडप तैयार किया गया है। आचार्य श्री विनम्रसागरजी महाराज के मंगलमय

सान्निध्य में हो रहे इस आयोजन में शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु धर्मलाभ ले रहे हैं।

भव्य घटयात्रा के साथ हुई शुरुआत

शुक्रवार सुबह 6 बजे अरिहंतनगर स्थित श्री युगप्रवर्तक आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से बैड-बाजों के साथ भव्य घटयात्रा निकाली गई। आचार्य संघ के पावन सान्निध्य में निकली इस घटयात्रा

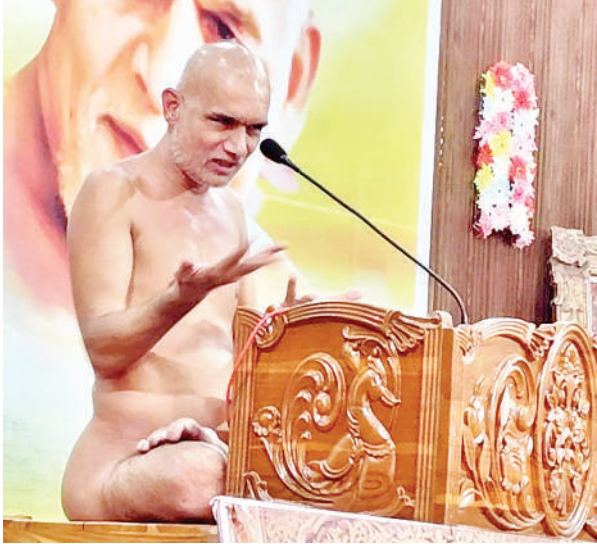
में पांच भगवंतों की प्रतिमाएं शामिल रहीं। घटयात्रा विष्णुनगर मार्ग से होते हुए मित्रनगर गार्डन पहुंची। यहां ध्वजारोहण और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ महामहोत्सव के कार्यक्रमों का विधिवत शुभारंभ किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्ति और उत्साह के साथ इस मंगलमय आयोजन में सहभागिता निभाई।

मान्यवरों और सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति

उद्घाटन समारोह में विधान के इंद्र-इंद्राणी परिवार सहित नगरसेवक सुरेंद्र कुलकर्णी, नंदकुमार गवली, दिलीप थोरात, शंकर मात्रे, अनिता अनिल विधाने, राधाकृष्ण गायकवाड, किशोर माणकापे सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, तीर्थक्षेत्रों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी,

जैनालयों के प्रतिनिधि, राजाबाजार विश्वस्त मंडल के सहयोगी सदस्य और महिला मंडलों की प्रमुख उपस्थित रहीं। इस अवसर पर श्रावक श्रेष्ठी अरुण कुमार एवं मधुर कुमार पाटणी (हीराखानवाले), पंचायत अध्यक्ष महावीर पाटणी, अरिहंतनगर अध्यक्ष संतोष अजमेरा, सुरेश कासलीवाल, महावीर ठोले, संजय पहाड़े, संजय काला, नवनीत काला, आनंद पांडे, प्रमोद काला, राजकुमार अजमेरा, अंकित अजमेरा और नितिन गंगवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्री भक्ताम्बर स्तोत्र के प्रति अपनी श्रद्धा और समर्पण व्यक्त किया। महामहोत्सव में विभिन्न धार्मिक पात्रों का चयन किया गया है।

आत्म कल्याण के लिए भीतर की आंखें खोलें, यही सच्चा नेत्रदान है : मुनिश्रमण सागर जी



राघौगढ़ (विश्व परिवार)। आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, प्रवचन वाचस्पति, विद्यागुरु कुल गौरव, महा तपस्वी, औजस्वी वक्ता, बुंदेली आशु कवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने शुक्रवार को विद्यासागर सभागार राघौगढ़ में विशाल धर्म सभा में नेत्रदान क्या है विषय पर मंगल प्रवचन करते हुए कहा लौकिक जीवन में दान करने के अनेक प्रकार हैं नेत्रदान, अंगदान, किडनी दान आदि अनेक प्रकार से दान दिया जाता है। जैन दर्शन के अनुसार अशुद्ध वस्तु का किया हुआ दान, दान की श्रेणी में नहीं आता है। आपने कहा मैं आपको अंदर की आंखें खोलना चाहता हूं। भीतर की आंखें खोलने के आपने तीन प्रकार बताये। पहला स्वयं बुद्ध ऐसे जिनको स्वयं से सम्यक दर्शन होता हैं। दूसरा है बौद्धिक बुद्ध, दूसरे के उपदेश या प्रवचन सुनकर सम्यक दर्शन प्राप्त होना। तीसरा प्रकार है प्रत्येक बुद्ध भगवान आदिनाथ को नीलांजना

के नृत्य से, भगवान नेमीनाथ को पशु बंधन से वैराग्य हुआ। आचार्य मुनिराज के प्रवचनों से वैराग्य होना प्रत्येक बुद्ध माना जाता है। मुनिराज ने कहा मनुष्य जीवन टिकट घर है। आपने प्रवचन में कहा आचार्य ज्ञानसागर जी ने आचार्य विद्यासागर जी को, आचार्य विद्यासागर जी ने, आचार्य समय सागर जी को ज्ञान देकर सम्यक दर्शन का बोध कराया है। वही कार्य करने हमें नवाचार्य समय सागर जी महाराज ने चातुर्मास करने राघौगढ़ भेजा है। चातुर्मास में गुरुओं द्वारा श्रावकों को उपदेश देकर सच्चे देव शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा जागृत करायी जाती है जिससे सम्यक दर्शन होता है। मुनि श्रमण सागर जी ने कहा यही सच्चा नेत्र दान है।

अतिशय क्षेत्र पदमपुरा का विशाल वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा

- निकलेगी भव्य रथयात्रा-होगे कलशाभिषेक

जयपुर/पदमपुरा (विश्व परिवार)। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों का विश्व प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाड़ा) का वार्षिक मेला (वार्षिकोत्सव) रविवार 25 अक्टूबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। इससे पूर्व शनिवार, 24 अक्टूबर को सांयंकाल महाआरती के बाद भक्ति संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर मुनि मार्दव नन्दी महाराज के सानिध्य में कई धार्मिक आयोजन किये जाएंगे। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन एवं मानद मंत्री एडवोकेट हेमन्त सोगानी के नेतृत्व में रविवार को प्रातः 7.00 बजे भूगर्भ से प्रकटित मूल नायक भगवान पदमप्रभू की प्रतिमा के मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक किये जाएंगे। मेला संयोजक जितेन्द्र मोहन जैन ने बताया कि प्रातः



8.30 बजे भगवान पदमप्रभू की विशाल खड़ागसन प्रतिमा के पंचामृत अभिषेक होगे। अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन एवं महामंत्री एडवोकेट हेमन्त सोगानी ने बताया कि प्रातः 11.15 बजे से प्रतिष्ठाचार्य अनिल कुमार जैन शास्त्री के निदेशन में संगीतमय पद्मप्रभ विधान होगा। दोपहर में 3.15 बजे रथ यात्रा निकलेगी। सांयंकाल 4.15 बजे जयकारों के बीच श्री जी के कलशाभिषेक किये जाएंगे।

नुआखाई को राष्ट्रीय पहचान दिलाने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रीय गांड़ा महासमाज ने माना आभार

- समाज को राष्ट्रीय स्तर पर संगठित करने का संकल्प, जनवरी 2027 में गांड़ा राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित करने का प्रस्ताव पारित

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय गांड़ा महासमाज के राष्ट्रीय प्रभारी बनमाली छुरा के अगुवाई में राष्ट्रीय गांड़ा महासमाज की महत्वपूर्ण बैठक अमलीडीह, रायपुर में आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी एवं समाजजन शामिल हुए। राष्ट्रीय प्रभारी बनमाली छुरा ने कहा राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के छतीसगढ़ के दो दिवसीय प्रवास के दौरान नुआखाई जैसे गांड़ा समाज के प्रमुख सांस्कृतिक पर्व का उल्लेख



करते हुए दिए गए उद्बोधन का स्वागत किया गया तथा इसके लिए राष्ट्रपति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्वारा नुआखाई को राष्ट्रीय मंच पर स्थान और सम्मान मिलना गांड़ा समाज की सांस्कृतिक पहचान के लिए गौरव का विषय है। इससे देशभर में निवासरत गांड़ा समाज के लोगों को अपनी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक विरासत को आगे

बढ़ाने की प्रेरणा मिली है। राष्ट्रीय गांड़ा महासमाज के संस्थापक अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा कि नुआखाई केवल एक त्यौहार नहीं, बल्कि गांड़ा समाज की सांस्कृतिक अस्मिता, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामाजिक एकजुटता का महापर्व है। नई फसल के आगमन का स्वागत करते हुए समाज धरती मां तथा अपने कुल देवी-देवताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है।

कर्णिका जैन ने CA Intermediate की परीक्षा में सफलता हासिल की

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ (चन्द्रगिरि तीर्थ, डोंगरगढ़) परिवार के लिए बेहद गर्व का क्षण है। हमारी होनहार पूर्व छात्रा कर्णिका जैन ने CA Intermediate की परीक्षा में सफलता हासिल कर ली है! आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं प्रतिभास्थली के उत्तम संस्कारों और कर्णिका की कड़ी मेहनत का यह शानदार परिणाम है। हमें गर्व है। आगे सीए फ़ाइनल के सफ़र के लिए तुम्हें ढेर सारी शुभकामनाएं!



संक्षिप्त समाचार

भीम पेमेंट्स ऐप ने ‘मीठी दिवाली’ अभियान के लिए गूँज के साथ साझेदारी की

रायपुर। भारत का स्वदेशी पेमेंट ऐप, भीम पेमेंट्स ऐप, जिसे एनपीसीआई भीम ने विकसित किया है, अपने ‘मीठी दिवाली’ अभियान के तीसरे संस्करण के माध्यम से त्योहारों की खुशियाँ फैला रहा है। 19 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच ऐप पर किसी उपयोगकर्ता द्वारा किए गए हर 7वें लेनदेन पर, भीम पेमेंट्स ऐप उन बच्चों को स्कूल किट उपलब्ध कराने में सहयोग करेगा, जिन्हें पढ़ाई के लिए सहायता की आवश्यकता है। इस अभियान के लिए, भीम पेमेंट्स ऐप ने गूँज के साथ साझेदारी की है। गूँज एक नागरिक एवं विकासात्मक संगठन है, जो शिक्षा, सामुदायिक विकास और आपदा राहत के क्षेत्रों में पूरे भारत में लंबे समय से गरिमा-केंद्रित पहलों के लिए जाना जाता है। यह अभियान उपभोक्ताओं को अपने रोजमर्रा के लेनदेन के लिए भीम पेमेंट्स ऐप चुनने और अधिक से अधिक बच्चों तक पढ़ाई के लिए आवश्यक सामग्री पहुँचाने के सामूहिक प्रयास का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करता है। दिवाली की खुशी एक साथ बिताए गए पलों, नई शुरुआत की उम्मीद और अपनी खुशियों को दूसरों के साथ बाँटने से मिलनेवाले आनंद में निहित है। इस वर्ष, भीम ऐप इस उत्सवी गर्मजोशी को कक्षाओं तक पहुँचा रहा है, जहाँ एक साधारण-सी स्कूल किट भी वंचित बच्चों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती है। यह पहल डिजिटल भुगतान को रोज़मर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने के साथ-साथ सार्थक बदलाव लाने के अवसर पैदा करने की भीम ऐप की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह ‘भारत का अपना पेमेंट्स ऐप’ की मूल सोच को भी और मजबूत करती है कि एक सरल और परिचित कार्य भी किसी बड़े उद्देश्य में योगदान दे सकता है, जिससे दिवाली की खुशियाँ और अधिक लोगों तक पहुँच सकें। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, गौरव कोचर, चीफ ऑफ बिजनेस, एनपीसीआई भीम ने कहा, दिवाली हमें याद दिलाती है कि किसी उत्सव की असली खुशी दूसरों के जीवन में खुशियाँ लाने में निहित है। ‘मीठी दिवाली 2026’ के माध्यम से, हम डिजिटल भुगतान जैसी सरल चीज को सब की शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण उद्देश्य से जोड़कर इस खुशी को और आगे तक पहुँचाना चाहते हैं। हर बच्चे को सीखने, आगे बढ़ने और उज्ज्वल भविष्य के सपने देखने का अवसर मिलना चाहिए। गूँज के साथ हमारी साझेदारी इस विश्वास को साकार करती है और भीम ऐप पर रोजमर्रा के लेनदेन को बच्चों की पढ़ाई के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने में सहयोग करने का अवसर बनाती है। ‘भारत का अपना पेमेंट्स ऐप’ होने के नाते, हमारा मानना है कि जब तकनीक को लोगों को ध्यान में रखकर बनाया जाता है, तो छोटे-छोटे प्रयास भी सार्थक बदलाव लाने में मदद कर सकते हैं।

आरोहण फाइनैशियल सर्विसेज का त्योहारी सीजन ऑफर

रायपुर। प्रौद्योगिकी आधारित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFC) एवं सूक्ष्म वित्त संस्था आरोहण फ़नैनेशियल सर्विसेज लिमिटेड ने अपने मौजूदा पात्र ऋणधारकों के लिए नए ऋण पर 1.25व तक की ब्याज दर में छूट देने की सीमित अवधि की विशेष योजना की घोषणा की है। यह योजना 2 अक्टूबर, 2026 से प्रभावी है। इस पहल का उद्देश्य सूक्ष्म उद्यमियों को अपने कारोबार को और सशक्त बनाने तथा त्योहारी सीजन के दौरान बढ़ती मांग का लाभ उठाने में सहायता प्रदान करना है।

31 दिसंबर, 2025 तक, आरोहण देश के 17 राज्यों के 320 जिलों में 1,073 शाखाओं के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से लगभग 20 लाख ऋणधारकों को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा था। कंपनी का यह शाखा नेटवर्क उसे विभिन्न बाजारों में अपनी उपस्थिति बनाए रखने और अपने कार्यक्रम के समुदायों के ग्राहकों के साथ निरंतर जुड़ाव स्थापित करने में सक्षम बनाता है।

कई सूक्ष्म उद्यमियों के लिए त्योहारी सीजन कारोबार को विस्तार देने, वस्तुओं का स्टॉक बढ़ाने, ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करने और कारोबार के टर्नओवर में सुधार लाने का महत्वपूर्ण अवसर होता है। इस अवधि की तैयारियों के लिए समय पर ऋण की उपलब्धता अहम भूमिका निभा सकती है। इस विशेष ऑफर के माध्यम से आरोहण का उद्देश्य अपने मौजूदा पात्र ऋणधारकों को रियायती ब्याज दर पर अतिरिक्त ऋण उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने कारोबार के विस्तार और विकास की संभावनाओं का लाभ उठा सकें।

आरोहण फ़नैनेशियल सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनोजकुमार एन. नाबियार ने कहा, ‘त्योहारी सीजन सूक्ष्म उद्यमियों के लिए कारोबार के विकास के महत्वपूर्ण अवसर लेकर आता है। इस दौरान उन्हें अक्सर वस्तुओं का स्टॉक बढ़ाने और ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता होती है। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (MoF) के वित्तीय सेवा विभाग (DFS) की ऋण गारंटी योजना से हमें ऋण गारंटी कवर प्राप्त करने में सहायता मिली है और अब हम इसके लाभ अपने ग्राहकों तक पहुँचाने के लिए तत्पर हैं। इस पहल के माध्यम से हमारा उद्देश्य अपने मौजूदा पात्र ऋणधारकों को इन अवसरों का लाभ उठाने और अपने कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है।’

इस ऑफर का लाभ उठाने के इच्छुक मौजूदा पात्र ऋणधारक अपनी पात्रता की जांच करने, लागू ब्याज दर एवं ऋण की शर्तों की जानकारी प्राप्त करने और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के लिए आरोहण की निकटतम शाखा में संपर्क कर सकते हैं। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए उपलब्ध है। ब्याज दर में वास्तविक छूट संबंधित पात्रता मानदंडों, नियमों एवं शर्तों के अनुसार निर्धारित की जाएगी।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर दशहरा प्रदर्शनी का किया अवलोकन

बस्तर की 75 दिवसीय ऐतिहासिक दशहरा परंपरा, जनजातीय संस्कृति, लोक आस्था और अनूठे पूजा-विधानों को प्रदर्शनी के माध्यम से किया गया प्रस्तुत

पाट जात्रा से लेकर मुरिया दरबार और कुटुम्ब जात्रा तक बस्तर दशहरा की विभिन्न रस्मों, रथ निर्माण की पारंपरिक तकनीक और जनजातीय समुदायों की सहभागिता का प्रदर्शन

जगदलपुर/ राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय परंपराओं और सदियों पुरानी धार्मिक मान्यताओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। लालबाग मैदान में आयोजित प्रदर्शनी में बस्तर दशहरा की विभिन्न विधाओं, पारंपरिक पूजा-अनुष्ठानों, रथ निर्माण की विशिष्ट तकनीक, देवी-देवताओं की आराधना, जनजातीय समुदायों की भागीदारी और ऐतिहासिक परंपराओं को आकर्षक चित्रों एवं विस्तृत विवरणों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

बस्तर दशहरा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि बस्तर की विभिन्न जनजातीय समाज की सामूहिक आस्था, सांस्कृतिक एकता, पारंपरिक ज्ञान और सामाजिक सहभागिता का अद्वितीय उदाहरण है। लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह महापर्व देश के अन्य स्थानों पर मनाए जाने वाले दशहरा उत्सवों से अलग अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। यह दशहरा मुख्य रूप से आराध्य देवी मां दंतेश्वरी और क्षेत्रीय देवी-देवताओं की आराधना तथा लोक परंपराओं से जुड़ा हुआ है।

प्रदर्शनी में बस्तर दशहरा के प्रारंभ से समापन तक संपन्न होने वाले प्रमुख अनुष्ठानों को क्रमबद्ध रूप से दर्शाया गया। इसमें पाट जात्रा, डेरी गड़ाई, बारसी उतरानी, नार फेड़नी, रथ निर्माण, काछिन गादी, कलश स्थापना, जोगी बिठाई, फूल रथ परिक्रमा, बेल निवता, निशा जात्रा, मावली परचाव, भीतर रैनी, बाहर रैनी, मुरिया दरबार तथा कुटुम्ब जात्रा जैसी विशिष्ट परंपराओं का समावेश किया गया।

प्रदर्शनी में बस्तर दशहरा की प्रमुख विधाओं और अनुष्ठानों का विस्तृत प्रदर्शन, पाट जात्रा से होता है बस्तर दशहरा की प्रारंभिक शुरुआत श्रावण अमावस्या अर्थात् हिरयाली अमावस्या को पाट जात्रा से होती है। इस अवसर पर रथ निर्माण के लिए जंगल से लाई गई लकड़ी के विशाल तने, जिसे स्थानीय हल्बी भाषा में दुरलु खोटला कहा जाता है, की विधिवत पूजा की जाती है। पूजा के दौरान पारंपरिक अर्पण एवं बलि की रस्म निभाई जाती है। इसके बाद रथ निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ होती है। इस अनुष्ठान का उद्देश्य देवी-देवताओं का आह्वान कर दशहरा पर्व के निर्विघ्न संपन्न होने की प्रार्थना करना है।

डेरी गड़ाई से प्रारंभ होती है रथ निर्माण की परंपरा- पाट जात्रा के बाद डेरी गड़ाई का अनुष्ठान किया जाता है। इसमें लगभग 10 फीट ऊंची साल वृक्ष की दो शाखायुक्त लकड़ियों को सिरहासार में स्थापित किया जाता है। इन पर हल्दी, कुमकुम और चंदन का लेप लगाकर सफेद वस्त्र बांधे जाते हैं। पूजा के दौरान पारंपरिक रूप से मंगरी मछली, अंडा और



भूसा-लाई अर्पित की जाती है। इस अनुष्ठान को स्तंभारोहण का स्वरूप माना जाता है। डेरी गड़ाई के बाद जंगल से रथ निर्माण की लकड़ियाँ और निर्धारित गाँवों से कारीगर आने लगते हैं। इस रस्म में बिरिंगपाल के ग्रामीणों और समरथ परिवार की विशेष जिम्मेदारी होती है।

बारसी उतरानी- रथ निर्माण से पहले बारसी उतरानी के अंतर्गत पारंपरिक औजारों की पूजा की जाती है। इसके बाद लकड़ी पर पहली बार बारसी अथवा बसुला चलाकर निर्माण कार्य आरंभ, जनजातीय समुदायों की भागीदारी और ऐतिहासिक परंपराओं को आकर्षक चित्रों एवं विस्तृत विवरणों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

बस्तर दशहरा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि बस्तर की विभिन्न जनजातीय समाज की सामूहिक आस्था, सांस्कृतिक एकता, पारंपरिक ज्ञान और सामाजिक सहभागिता का अद्वितीय उदाहरण है। लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह महापर्व देश के अन्य स्थानों पर मनाए जाने वाले दशहरा उत्सवों से अलग अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। यह दशहरा मुख्य रूप से आराध्य देवी मां दंतेश्वरी और क्षेत्रीय देवी-देवताओं की आराधना तथा लोक परंपराओं से जुड़ा हुआ है।

प्रदर्शनी में बस्तर दशहरा के प्रारंभ से समापन तक संपन्न होने वाले प्रमुख अनुष्ठानों को क्रमबद्ध रूप से दर्शाया गया। इसमें पाट जात्रा, डेरी गड़ाई, बारसी उतरानी, नार फेड़नी, रथ निर्माण, काछिन गादी, कलश स्थापना, जोगी बिठाई, फूल रथ परिक्रमा, बेल निवता, निशा जात्रा, मावली परचाव, भीतर रैनी, बाहर रैनी, मुरिया दरबार तथा कुटुम्ब जात्रा जैसी विशिष्ट परंपराओं का समावेश किया गया।

प्रदर्शनी में बस्तर दशहरा की प्रमुख विधाओं और अनुष्ठानों का विस्तृत प्रदर्शन, पाट जात्रा से होता है बस्तर दशहरा की प्रारंभिक शुरुआत श्रावण अमावस्या अर्थात् हिरयाली अमावस्या को पाट जात्रा से होती है। इस अवसर पर रथ निर्माण के लिए जंगल से लाई गई लकड़ी के विशाल तने, जिसे स्थानीय हल्बी भाषा में दुरलु खोटला कहा जाता है, की विधिवत पूजा की जाती है। पूजा के दौरान पारंपरिक अर्पण एवं बलि की रस्म निभाई जाती है। इसके बाद रथ निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ होती है। इस अनुष्ठान का उद्देश्य देवी-देवताओं का आह्वान कर दशहरा पर्व के निर्विघ्न संपन्न होने की प्रार्थना करना है।

डेरी गड़ाई से प्रारंभ होती है रथ निर्माण की परंपरा- पाट जात्रा के बाद डेरी गड़ाई का अनुष्ठान किया जाता है। इसमें लगभग 10 फीट ऊंची साल वृक्ष की दो शाखायुक्त लकड़ियों को सिरहासार में स्थापित किया जाता है। इन पर हल्दी, कुमकुम और चंदन का लेप लगाकर सफेद वस्त्र बांधे जाते हैं। पूजा के दौरान पारंपरिक रूप से मंगरी मछली, अंडा और

भी होता है।

काछिन गादी में देवी से ली जाती है दशहरा आयोजन की अनुमति- बस्तर दशहरा की अत्यंत महत्वपूर्ण रस्म काछिन गादी है। आश्विन अमावस्या को जगदलपुर के भंगाराम चौक स्थित काछिन गुड़ी में पनका समाज की एक कुंवारी बालिका पर देवी के आरूढ़ होने की पारंपरिक मान्यता के साथ पूजा की जाती है। बालिका को कांटों से बने झूले पर बैठकर रण की देवी काछिन से दशहरा आयोजन की अनुमति और आशीर्वाद मांगा जाता है। काछिन देवी को पशुधन और अन्न-धन की रक्षक तथा विभिन्न स्थानीय समुदायों की कुलदेवी माना जाता है। इस परंपरा का संबंध चालुक्य राजा दलपत देव के काल से बताया गया है। दशहरा के बाद काछिन वर्ष 1772 के बाद काछिन गुड़ी के निर्माण और राजधानी के जगदलपुर स्थानांतरण से जुड़ी ऐतिहासिक मान्यताओं को भी दर्शाया गया।

आश्विन शुक्ल प्रतिपदा को मां दंतेश्वरी मंदिर में कलश स्थापना के साथ नवरात्रि की पूजा शुरू होती है। इसके बाद मावली, कंकालिन, करनकोटिन, शीतला सहित अन्य देवी-देवताओं के मंदिरों में कलश स्थापित किए जाते हैं। नवरात्रि के नौ दिनों तक विभिन्न मंदिरों में मनोकामना ज्योति और अखंड ज्योति प्रज्वलित की जाती है। मां दंतेश्वरी मंदिर में देश-विदेश के श्रद्धालु हजारों ज्योति कलश स्थापित करवाते हैं। इनकी देखरेख की पारंपरिक जिम्मेदारी यादव अर्थात रावत समाज के सेवादार निभाते हैं। यह व्यवस्था रियासतकाल से चली आ रही है।

जोगी बिठाई में नौ दिनों की कठोर साधना और उपवास- जोगी बिठाई बस्तर दशहरा की विशिष्ट आध्यात्मिक परंपरा है। इसमें बड़े आमबाबल के एक व्यक्ति को सिरहासार में नौ दिनों की योग-साधना और उपवास के लिए बैठया जाता है। जोगी को मावली देवी के खांड के साथ शोभायात्रा में सिरहासार लाया जाता है। वहां पूजा-अर्चना के बाद निर्धारित गड्डु में बैठया जाता है। पास में अन्न खूंट और अखंड ज्योति स्थापित की जाती है। जोगी नौ दिनों तक कठिन साधना करता है। यह अनुष्ठान दशहरा पर्व के निर्विघ्न संपन्न होने के संकल्प का प्रतीक है।

फूल रथ परिक्रमा में हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता- आश्विन शुक्ल द्वितीया से सप्तमी तक छह दिनों तक चार पहियों वाले फूल रथ की परिक्रमा होती है। फूलों से सजाए जाने के कारण इसे फूल रथ कहा जाता है। मां दंतेश्वरी के मुख्य पुजारी देवी का छत्र लेकर रथ पर सवार होते हैं और हजारों ग्रामीण पारंपरिक डोर से रथ खींचते हैं। प्रत्येक परिक्रमा से पहले पूजा, नारियल अर्पण, पारंपरिक बलि और पुलिस सलामी की रस्म निभाई जाती है। जगन्नाथ मंदिर के सामने केंवट समाज की महिलाएं रथ पर लाई-चना, पुष्प और पान बोझ अर्पित करती हैं। रथ की पूजा सामग्री उपलब्ध कराने में समरथ केंवट परिवार की



पारंपरिक भूमिका होती है।

परिक्रमा के बाद यादव और धाकड़ समाज की सुहागिन महिलाएं मां दंतेश्वरी की आरती करती हैं। आरती की शुरुआत दो महिलाओं से होती है और विजय रथ की परिक्रमा तक इनकी संख्या 12 हो जाती है। यह परंपरा बस्तर दशहरा में महिलाओं की महत्वपूर्ण सहभागिता को रेखांकित करती है।

बेल नेवता की परंपरा में बेल वृक्ष को देवी शक्ति का प्रतीक माना जाता है। जुड़वा बेल फलों का देवाधिदेव शिव एवं जगत जननी मां पार्वती का स्वरूप मानकर पूजा की जाती है। पांचवीं फूल रथ परिक्रमा के बाद सस्गीपाल में बेल वृक्ष की पूजा कर उसकी शाखा पर लाल कपड़ा, नारियल और सुपारी बांधकर दशहरा में शामिल होने का निमंत्रण दिया जाता है। आश्विन शुक्ल सप्तमी को बेल जात्रा के दौरान राजपरिवार, पुजारी और ग्रामीण पूजा-अनुष्ठान करते हैं। जुड़वा बेल फलों को गांव की बेटी मानकर तेल-हल्दी लगाकर विदाई दी जाती है। इसके बाद फलों को मां दंतेश्वरी के छत्र के साथ फूल रथ में रखा जाता है और अंत में दंतेश्वरी मंदिर में स्थापित किया जाता है।

दुर्गा अष्टमी की मध्परात्रि में निशा जात्रा का आयोजन होता है। इस दिन रथ परिक्रमा नहीं होती। निशा जात्रा गुड़ी अथवा खमेश्वरी गुड़ी में क्षेत्रीय देवी-देवताओं की विशेष पूजा की जाती है। प्रदर्शनी के अनुसार इस अनुष्ठान में पारंपरिक रूप से 11 बकरों की बलि के साथ मछली और कुम्हड़ा आदि अर्पित किए जाते हैं। देवी-देवताओं के लिए 11 कांवड़ अर्थात 22 मटकियों में चावल, दाल और खीर का भोग तैयार किया जाता है। इस अवसर पर बस्तर के विभिन्न क्षेत्रों से देवी-देवताओं के प्रतीक आंगा, लाट, पालकी, डोली और छत्र के साथ सिरहा तथा श्रद्धालु शामिल होते हैं। निशा जात्रा के बाद ये देवी-देवता भीतर रैनी और बाहर रैनी की रथ परिक्रमा में भाग लेते हैं।

मावली परचाव में मां दंतेश्वरी और मावली माता का भव्य स्वागत- मावली परचाव बस्तर दशहरा की प्रमुख स्वागत परंपरा है। इसमें दंतेश्वरी से जगदलपुर आने वाली मावली माता की डोली और मां दंतेश्वरी के छत्र का भव्य स्वागत किया जाता है। मावली देवी को मां दंतेश्वरी का प्रतिरूप माना जाता है। रियासतकाल में महाराजा स्वयं पीली घोटी और योगी वेश धारण कर नंगे पैर लगभग सात से आठ किलोमीटर दूर तक देवी की अगुवानी करने जाते थे। वर्तमान में डोली और छत्र बहन से लाए जाते हैं। नवमी की शाम जिन्हा डेरा से मावली देवी की डोली डोल-नगाड़ों, लोकनृत्य, आरती और आतिशबाजी के साथ कुटूरु बाड़ा पहुंचती है। यहां राजपरिवार, राजगुरु, राजपुरोहित, जनप्रतिनिधि और विभिन्न देवी-देवताओं के प्रतिनिधि स्वागत करते हैं। इसके बाद राजपरिवार और मुख्य पुजारी डोली को कंधों पर उठाकर राजमहल ले

जाते हैं, जहां पूजा-अर्चना के बाद देवी के छत्र और डोली की स्थापना की जाती है।

विजयादशमी के अवसर पर मां दंतेश्वरी मंदिर में रियासतकालीन बंदूक, तलवार, तीर-कमान सहित पारंपरिक शस्त्रों की पूजा की जाती है। इस अवसर पर लगभग सात फीट लंबी कालवान बंदूक की भी पूजा होती है, जिसे वीरंगना मेघई रानी की स्मृति से जोड़ा जाता है। भीतर रैनी में आठ पहियों वाले विजय रथ की पहली परिक्रमा होती है। इसके बाद रथ को प्रतीकात्मक रूप से चुराकर रात में कुम्हड़ाकोट ले जाकर छिपाने की परंपरा है, जिसके बाद राजा के द्वारा रथ को खोजने के उपरांत रथ चुराने वाले माड़िया समुदाय द्वारा बस्तर दशहरा के कार्यक्रमों में आमंत्रित न किए जाने का दुःख तथा राजा के गलती मानने के उपरांत माड़िया समुदाय के आग्रह पर उनके साथ नवा खाई की परंपरा है। इस रस्म को राजा तथा प्रजा के बीच सामंजस्य और राजा के द्वारा अपनी गलती को मानने की परंपरा यह बताती है कि प्रजा राजा से अधिक शक्तिशाली है और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक भी है। एकादशी को बाहर रैनी के अंतर्गत राजपरिवार कुम्हड़ाकोट पहुंचकर नवाखानी की रस्म निभाते हैं। प्रदर्शनी में बताया गया कि इस अवसर पर बस्तर, छत्तीसगढ़ और अन्य क्षेत्रों से तीन हजार से अधिक देवी-देवताओं के प्रतीक एकत्र होते हैं। यहां नए अन्न का भोग अर्पित किया जाता है। रानी-माचा, तिहार-लाड़ी और भोग-लाड़ी जैसी परंपराएं भी निभाई जाती हैं।

वापसी के दौरान विभिन्न स्थानों पर पूजा-अर्चना होती है। राजमहल के समीप पुलिस सलामी और महिलाओं की आरती के बाद मां दंतेश्वरी के छत्र को सम्मानपूर्वक मंदिर पहुंचाया जाता है।

मुरिया दरबार में दिखाई गई जनजातीय समाज की ऐतिहासिक जनसंवाद परंपरा- प्रदर्शनी का एक महत्वपूर्ण आकर्षण मुरिया दरबार की ऐतिहासिक परंपरा रही। मुरिया दरबार की शुरुआत 8 मार्च 1876 को हुई थी। रियासतकाल में यह राजा और जनता के बीच प्रत्यक्ष संवाद तथा समस्याओं के समाधान का वार्षिक मंच था। इसमें मांझी, मुखिया, चालकी और नाईक-नाईक, कोटवार, अपने क्षेत्रों की समस्याएं, शिकायतें और आवश्यकताएं राजा के सामने रखते थे। मांझी और चालकी आदिवासी समाज तथा राजसत्ता के बीच महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते थे। मांझी परगना स्तर पर सामाजिक, धार्मिक और दशहरा संबंधी जिम्मेदारियां निभाते थे तथा लाल पाण्डे धारण करते थे। चालकी नीली पगड़ी पहनकर प्रशासनिक कार्यों, पुलिस सहयोग और जनसमस्याओं के समाधान में भूमिका निभाते थे। प्रदर्शनी में दी गई जानकारी के अनुसार वर्तमान में 80 मांझी और 25 चालकी पद हैं। यह परंपरा आज भी जनजातीय समाज की भागीदारी और संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम बनी हुई है।

बस्तर दशहरा: रैनी रस्म में चोरी हुए रथ को ढूँढने जंगल पहुंचे राजपरिवार के सदस्य

ग्रामीणों के साथ जमीन पर बैठकर खाई नवाखाई की खीर

जगदलपुर। बस्तर में 75 दिनों तक मनाए जाने वाले विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व में रथ परिक्रमा की आखिरी बाहर रैनी रस्म अदा की गई। इस रस्म में बस्तर राजपरिवार के सदस्य कमलचंद भंजदेव चोरी किए गए रथ को ढूँढते हुए कुम्हड़ाकोट के जंगल पहुंचे। यहां नाराज ग्रामीणों को मनाकर और उनके साथ जमीन पर बैठकर नवाखाई (नई फसल के चावल) की खीर खाकर पूरे शाही अंदाज में चोरी हुए रथ को वापस राजमहल पहुंचाया। रथ परिक्रमा की इस आखिरी रस्म में हजारों की संख्या में आदिवासियों के साथ ही बस्तरवासी और दूसरे राज्यों से आए पर्यटक भी मौजूद रहे।

विजयदशमी के दिन आधी रात को सैकड़ों माड़िया और गोंड जनजाति के आदिवासी ग्रामीणों ने रथ की चोरी कर राजमहल परिसर से करीब 4 किलोमीटर दूर कुम्हड़ाकोट के जंगल में



छिपाया, जिसके बाद सुबह बस्तर

महाराजा को इस बात की खबर लगी, तो बाकायदा माड़िया जनजाति के ग्रामीणों ने उन्हें राजशाही के अंदाज में अपने बीच बुलाया और उनके साथ नवाखाई में शामिल होने को कहा और बाकायदा सभी ग्रामीणों के बीच नीचे जमीन पर बैठकर उनके साथ नए चावल

से बनी खीर खाने को कहा।

राजा ने ग्रामीणों के साथ नीचे बैठकर नवाखाई खाया और उसके बाद ग्रामीणों को मनाकर रथ को शाही अंदाज में वापस लाया था। बस्तर राजपरिवार के सदस्य कमलचंद भंजदेव ने बताया कि आज भी इस परंपरा को बखूबी जिभाया जाता है।

बस्तर दशहरे में जीवंत हुई अनूठी परंपरा : कुम्हड़ाकोट से ससम्मान लौटाया गया ‘चुराया’ हुआ 8 चक्कों वाला विशाल विजय रथ

जगदलपुर/ विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरे में सामाजिक समरसता, समृद्ध लोक-आस्था और सदियों पुरानी परंपरा का एक बेहद जीवंत दृश्य देखने को मिला, जब ‘भीतर रैनी’ के बाद निभाई जाने वाली बहुप्रतीक्षित ‘बाहर रैनी’ की रस्म पूरी गरिमा के साथ संपन्न हुई। परंपरा के मुताबिक, भीतर रैनी की रस्म पूरी होते ही माड़िया जनजाति के लोगों ने आठ चक्कों वाले विशालकाय रथ को बुधवार को चुपचाप खींचकर शहर से दूर लालबाग स्थित कुम्हड़ाकोट के घने जंगलों में छिपा दिया था। यह प्रतीकात्मक ‘रथ चोरी’ राजा और प्रजा के बीच संवाद, अपनत्व और मान-मनोव्वल की उस अद्भुत बस्तर संस्कृति का अभिन्न अंग है, जो सदियों से चली आ रही है। इसके अगले दिन गुरुवार को जैसे ही ‘बाहर रैनी’ की रस्म शुरू हुई, बस्तर राजपरिवार के सदस्य चोरी हुए उस विशाल रथ को ढूँढते हुए सोधे कुम्हड़ाकोट के जंगलों में जा पहुंचे। वहां उन्होंने परंपरागत रूप से रूटे माड़िया समाज के लोगों और ग्रामीणों के बीच बैठकर आत्मीय संवाद स्थापित किया। राजपरिवार के सदस्यों ने ग्रामीणों की कुटिया में पहुंचकर उनकी मान-मनोव्वल की और इस तरह दोनों पक्षों के बीच एक बेहद सौहार्दपूर्ण और आत्मीय माहौल निर्मित हुआ। इस सुलह के उपरांत जंगल में ही पारंपरिक ‘नवाखानी’ का विशेष आयोजन किया गया, जहां नई फसल के आगमन की खुशी में नए चावल से तैयार खीर का नैवेद्य अर्पित किया गया। राजपरिवार के सदस्य श्री कमलचंद भंजदेव, सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष श्री महेश कश्यप, महावीर श्री संजय पाण्डे और ग्रामीणों ने एक साथ पगत में बैठकर यह पावन प्रसाद ग्रहण किया, जिसने बस्तर की गहरी सामाजिक समरसता और अटूट सांस्कृतिक एकता को फिर से रेखांकित किया। मान-मनोव्वल और नवाखानी की इस रस्म के संपन्न होत ही माड़िया समुदाय के लोग और राजपरिवार के सदस्य एकजुट हो गए और पूरे शाही ठठ-बाट, पारंपरिक गाजे-बाजे और जयकारों के साथ उस विशालकाय रथ को खींचते हुए वापस राजमहल के सिंह द्वार ले आए, जिसके साथ ही बस्तर दशहरे की बहुप्रतीक्षित रथ परिक्रमा रस्म का विधिवत समापन हो गया।

गुरु खुशवंत साहेब की उपस्थिति में कांग्रेस नेत्री प्रीति मिश्रा समेत सैकड़ों लोगों ने थामा भाजपा का दामन

■ मोदी के नेतृत्व और साय सरकार की विकासनीति से प्रभावित होकर आरंग विधानसभा के सैकड़ों लोगों ने अपना भाजपा का साथ

आरंग/रायपुर (विश्व परिवार)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व एवं भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रप्रथम, एंव जनसेवा की विचारधारा से प्रेरित होकर तथा छत्तीसगढ़ में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी की विकासनीति से प्रभावित होकर आज नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय रू-3 में आरंग विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कांग्रेस नेत्री श्रीमती प्रीति मिश्रा जी एवं कांग्रेस नेता श्री ललित मनहरे जी के नेतृत्व में विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं गणमान्यजनों ने भाजपा का दामन थामा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री एवं आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब जी तथा भाजपा रायपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्री श्याम नारंग जी की



उपस्थिति में सभी नवप्रवेशित सदस्यों का भाजपा परिवार में आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रहित, अंत्योदय और जनसेवा की विचारधारा से जुड़ने वाले सभी साथियों का हार्दिक स्वागत है। आप सभी का संगठन से जुड़ाव भाजपा को और अधिक सशक्त बनाएगा तथा आरंग विधानसभा क्षेत्र में विकास, जनकल्याण

और सामाजिक समरसता के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। वहीं, भाजपा रायपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्री श्याम नारंग जी की उपस्थिति में हुए इस सदस्यता कार्यक्रम ने संगठनात्मक जुड़ाव और पार्टी की गतिविधियों को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच संवाद का अवसर प्रदान किया। उन्होंने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के

महत्व पर बल दिया।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों के माध्यम से प्रदेश की प्रगति के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। भाजपा की नीतियों और सुशासन के प्रति जनता का विश्वास संगठन के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी नवप्रवेशित सदस्यों से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा आरंग विधानसभा क्षेत्र के विकास, जनसेवा और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा रायपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्री श्याम नारंग जी, गुरु नसी साहेब जी, मंदिर हसौद मंडल अध्यक्ष श्री गोपाल वर्मा जी, समोदा मंडल अध्यक्ष श्री भीम साहू जी सहित भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, कार्यकर्ता साथी एवं गणमान्यजन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हमारी सरकार ने सम्मान, अधिकार और विकास को प्राथमिकता दी : मुख्यमंत्री साय

■ जनजातीय समाज को केवल वोट बैंक मानती रही कांग्रेस



रायपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस ने हमेशा जनजातीय समाज को केवल वोट बैंक के रूप में देखा। यही कारण है कि जनजातीय समाज ने कांग्रेस को छोड़ दिया। 55-60 वर्षों तक देश में शासन करने वाली कांग्रेस अब बताए कि उसने जनजातीय समाज के जीवन में वास्तविक बदलाव के लिए क्या किया ?

कांग्रेस द्वारा बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में शामिल होने आई महामहिम राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान प्रशासनिक तैयारियों को 'प्रशासनिक दखलंदाजी' बताए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उक्त बातें कही। वे मीडिया के प्रश्नों का जवाब दे रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकार और सर्वांगीण विकास

रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों तथा हमारे सुरक्षा बलों के साहस और पराक्रम से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मिली है। जिन क्षेत्रों में कभी भय और हिंसा का माहौल था, आज वहाँ सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और रोजगार के नए अवसर पहुँच रहे हैं। दूरस्थ गाँव विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं और बस्तर शांति एवं विश्वास के साथ नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस को आरोप लगाने से पहले अपने लंबे शासनकाल का हिसाब देना चाहिए। आज जनजातीय समाज जागरूक है। वह साफदेख रहा है कि किसने केवल उसके नाम पर राजनीति की और किसने उसके सम्मान, सुरक्षा तथा विकास के लिए जमीन पर काम किया है।

मोदी राज में महंगाई बेतहाशा बढ़ी गरीब और मध्यम वर्ग परेशान : दीपक बैज

■ त्यौहारी सीजन में महंगाई से आम आदमी का बजट बिगड़ गया

रायपुर (विश्व परिवार)। बढ़ती महंगाई पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने गहरी चिंता व्यक्त किया है। मोदी राज में महंगाई बेतहाशा बढ़ी गरीब और मध्यम वर्ग परेशान है तथा त्यौहारी सीजन में महंगाई से आम आदमी का बजट बिगड़ गया है, देश का शोक महंगाई सूचकांक आजादी के बाद सबसे ऊँचे पायदान 10 (9.78) तक पहुंच गया है। रोजमर्रा की जरूरतों के समानों की बेतहाशा बढ़ी महंगाई तथा खाद्य तेल, शक्कर प्याज के बड़े दाम आम आदमी को परेशान कर रहे है। राशन सामाग्री के दाम दुगुने हो गये है, पेट्रोल-डीजल, रेलगाई गैस तथा बड़े बिजली बिल से जनता के घर का बजट



बिगड़ गया है। जो समान जनवरी 2015 में 1000 का था वह अक्टूबर 2026 में 1729 रू. का हो गया है। 100 दिन में महंगाई कम करने का वादा कर अच्छे दिन लाने वाले मोदी के शासनकाल में जनता बदतर दिन में जीवन काटने को मजबूर है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि त्यौहारों के सीजन में शक्कर एवं खाद तेलो की बढ़ती कीमतों ने त्योहार का मजा फीका कर दिया है। आम आदमी त्योहार कैसे मनायेगी ? पिछले कुछ माह में शक्कर की कीमत में 40 से 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। खाद तेल के दाम दोगुने हो गये है। प्याज 60 रू. किलो पहुंच गया है। आम गृहणी की रसोई की बजट बिगड़ गया है। अच्छे दिनों का वादा कर सरकार में आई मोदी सरकार ने आम आदमी को महंगाई से परेशान कर रखा है।

15 साल से बंद रास्ता होगा चालू

■ दर्जनभर से ज्यादा ज़र्री नोटिस का नहीं हुआ असर, निगम ने हटाया अतिक्रमण

रिसाली (विश्व परिवार)। वार्ड 13 स्थित मुख्य उर्दाई मार्ग पर पिछले 15 वर्षों से अवैध रूप से दुकान बनाकर व्यवसाय करने वाले को नगर पालिक निगम रिसाली ने खदेड़ दिया। शुक्रवार को निगम के राजस्व विभाग ने मौके पर पहुंच कर बेदखली अभियान चलाया। अभियान के दौरान शुरुआत में विरोध का सामना अवश्य करना पड़ा। बाद में नेवई पुलिस की मध्यस्थता में तीन दुकानों को खाली करके के बाद निगम के अधिकारियों ने दुकान को ढहा दिया। इस कार्यवाही से 15 साल से बंद आम रास्ता अब शुरू होगा।

इस कार्यवाही से पहले निगम



आयुक्त मोनिका वर्मा ने एक साल पूर्व अतिक्रमण कर व्यापार करने वाले व्यापारियों को स्वतः दुकान हटाने निर्देश दिए थे। कई बार कार्यालय बुलाकर व्यापारियों को समझाइश भी दी। इसके बाद भी चिकन कार्नर, सेलुन संचालक व इलेक्ट्रिक दुकान के संचालक हठधर्मिता पर अड़े रहे। आयुक्त के निर्देश पर राजस्व विभाग प्रभारी धर्मेन्द्र मिश्रा दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पहले दुकान से सामान बाहर निकालने मौका दिया। इसके बाद तीनों दुकान को हटाया।

गौ रक्षा के लिए आगे आया भिलाई नगर निगम

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा गौ रक्षा एवं बेजुबान पशुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मानवीय संवेदनशीलता के साथ सराहनीय पहल की गई। निगम क्षेत्र के जोन क्रमांक-03 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 35 में पिछले दो दिनों से एक बैल नाली में फंसा हुआ था। इसकी जानकारी मिलने पर बैल को बाहर निकालने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई।

नाली में लंबे समय से फंसे होने के कारण बैल को बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण हो गया था। स्थिति को देखते हुए नगर निगम की टीम ने जेसीबी मशीन का सहायता से नाली के हिस्से को तोड़कर रास्ता बनाया और बैल को बाहर निकालने की कार्रवाई की। इस दौरान प्राथमिकता बेजुबान पशु को सुरक्षित बाहर निकालने तथा उसे किसी प्रकार की गंभीर चोट से बचाने की रही।



पटवारियों की हड़ताल से धान खरीदी की तैयारियां प्रभावित होने की आशंका

■ किसान पंजीयन, गिरदावरी सुधार और फार्मर आईडी के काम अटकने की चिंता; सरकार तत्काल निकाले समाधान

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में पटवारियों की हड़ताल के चलते धान खरीदी की तैयारियां प्रभावित होने की आशंका को लेकर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने चिंता जताई है। धान खरीदी किसानों की ने आजीविका से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। ऐसे में किसानों के पंजीयन से लेकर राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटियों के सुधार तक के कार्य समय पर पूरे होना जरूरी है। धान बेचने के लिए किसानों का पंजीयन, गिरदावरी, डिजिटल कॉप सर्वे, फर्मर



कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि सरकार को किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए पटवारी संघ से तत्काल संवाद करना चाहिए। पटवारियों की मांगों पर सकारात्मक पहल कर हड़ताल समाप्त कराने का प्रयास किया जाना चाहिए।

निगम आयुक्त लीना कोसम ने मल्टीलेवल पार्किंग सहित विभिन्न विकास कार्यों का किया निरीक्षण

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम। नगर पालिक निगम, दुर्ग की आयुक्त लीना कोसम ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों का मॉनिंग विजिट कर निर्माण कार्यों की प्रगति, विकास योजनाओं के क्रियान्वयन तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इंदिरा मार्केट पुराने बस स्टैंड के समीप निर्माणाधीन मल्टीलेवल पार्किंग सहित साईंस कॉलेज स्थित केनाल रोड, उरला साइट, मुक्तिधाम अटकने की आशंका है, जिसका असर धान विक्रय पर भी पड़ सकता है। प्रदेश



कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि सरकार को किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए पटवारी संघ से तत्काल संवाद करना चाहिए। पटवारियों की मांगों पर सकारात्मक पहल कर हड़ताल समाप्त कराने का प्रयास किया जाना चाहिए।

मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण की प्रगति की समीक्षा

इंदिरा मार्केट पुराने बस स्टैंड के समीप स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं ठेकेदार को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। कार्यों में तेजी लाते हुए शेष निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश भी दिए।

आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों की प्रगति केवल कामजोर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि मैदानी स्तर पर भी उसका प्रभाव दिखाई देना चाहिए।

महापौर की निधि से बनेगा चबूतरा और शौचालय

रिसाली (विश्व परिवार)। रिसाली महापौर शशि सिन्हा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में भूमिपूजन की। उनकी निधि से आशीष नगर, पुरैना एनएसपीसीएल, डुडहरा पूर्व व रूआबांधा में प्रवेश द्वार का जीर्णोद्धार, चबूतरा व शौचालय निर्माण का कार्य होगा। उन्होंने चार वार्डों के लिए कुल 6 लाख 9 हजार की राशि स्वीकृत की है। इस अवसर पर महापौर शशि सिन्हा ने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि विकास निरंतर प्रक्रिया है। उनकी प्राथमिकता रही है कि आवश्यकता अनुसार कार्यों को कराना। उन्होंने कहा कि महापौर के रूप में शपथ लेते ही नागरिकों से रूबरू होकर समस्याओं को दूर करने का हर संभव प्रयास किया है। यही वजह है कि नागरिकों के मांग



के अनुसार ही उन्होंने राशि स्वीकृत की। महापौर निधि से वार्ड 25 आशीष नगर में 1 लाख 44 हजार की लागत से प्रवेश द्वार जीर्णोद्धार कराया जाएगा। इसी तरह वार्ड 39 एनएसपीएससीएल पुरैना में और वार्ड 36 डुडहरा पूर्व में चबूतरा निर्माण के लिए 1.69, 1.69 की राशि स्वीकृत की है। महापौर शशि ने इसके अलावा वार्ड 2 रूआबांधा में शौचालय निर्माण के लिए 1 लाख 27 हजार की राशि स्वीकृत की है।

